



Access Online



Article DOI:

10.5281/zenodo.19606984

¹ राजनीति विज्ञान**How to Cite:**

डॉ. कमलेश कुमार देशमुख,
मिथिलेश साहू (2026),
छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय
राजनीति में ओबीसी
समुदाय का प्रभाव: दुर्ग
ग्रामीण विधानसभा का केस
स्टडी, International
Educational Applied
Scientific & Research
Journal (IEASRJ),
Vol: 11, Issue: 3,
28-32

छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय राजनीति में ओबीसी समुदाय का प्रभाव: दुर्ग ग्रामीण विधानसभा का केस स्टडी

डॉ. कमलेश कुमार देशमुख¹, मिथिलेश साहू²**ABSTRACT**

प्रस्तुत शोध-पत्र का विषय “छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय राजनीति में ओबीसी समुदाय का प्रभाव: Durg Rural Assembly Constituency का केस स्टडी” है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में सामाजिक संरचना, विशेष रूप से जातीय और सामुदायिक समूहों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में राजनीतिक भागीदारी, चुनावी व्यवहार और सत्ता संरचना पर सामाजिक समूहों का गहरा प्रभाव देखा जाता है। इनमें अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) एक महत्वपूर्ण सामाजिक समूह के रूप में उभरकर सामने आया है, जो चुनावी राजनीति, नेतृत्व निर्माण और नीतिगत निर्णयों को प्रभावित करता है।

छत्तीसगढ़ में ओबीसी समुदाय की जनसंख्या काफी अधिक है और यह समुदाय ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सामाजिक तथा आर्थिक दृष्टि से प्रभावशाली माना जाता है। दुर्ग जिले का ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है, जहाँ ओबीसी समुदाय के विभिन्न उप-समूह, जैसे साहू, चंद्राकर, कुर्मी आदि, स्थानीय राजनीति और चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इस क्षेत्र में चुनावी परिणामों, राजनीतिक दलों की रणनीतियों और उम्मीदवारों के चयन में ओबीसी समुदाय की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है।

इस शोध का मुख्य उद्देश्य दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में ओबीसी समुदाय के राजनीतिक प्रभाव का अध्ययन करना तथा यह विश्लेषण करना है कि यह समुदाय स्थानीय राजनीति, चुनावी व्यवहार और नेतृत्व निर्माण को किस प्रकार प्रभावित करता है। अध्ययन में यह भी समझने का प्रयास किया गया है कि किस प्रकार राजनीतिक दल चुनावों के दौरान ओबीसी समुदाय को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीतियाँ बनाते हैं तथा उम्मीदवारों के चयन में सामाजिक समीकरणों को महत्व देते हैं।

प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धति का उपयोग किया गया है। अध्ययन के लिए मुख्य रूप से द्वितीयक स्रोतों/कृत्रिम सरकारी रिपोर्ट, जनगणना के आँकड़े, चुनाव आयोग के आँकड़े, समाचार पत्रों, पुस्तकों तथा शोध-पत्रों/कृत्रिम उपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामाजिक और राजनीतिक जानकारी का भी विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के माध्यम से यह स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है कि ओबीसी समुदाय की सामाजिक एकता, आर्थिक स्थिति और राजनीतिक जागरूकता चुनावी राजनीति को किस प्रकार प्रभावित करती है।

अंततः यह शोध यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय राजनीति को समझने के लिए सामाजिक समूहों की भूमिका का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। विशेष रूप से ओबीसी समुदाय की राजनीतिक भागीदारी और प्रभाव को समझे बिना राज्य की चुनावी राजनीति का समुचित विश्लेषण संभव नहीं है। यह अध्ययन छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय राजनीति तथा सामाजिक-राजनीतिक संरचना को समझने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है और भविष्य में इस विषय पर और अधिक गहन शोध की संभावनाएँ प्रस्तुत करता है।

KEYWORDS: छत्तीसगढ़, क्षेत्रीय राजनीति ओबीसी समुदाय, दुर्ग ग्रामीण विधानसभा, सामाजिक विविधता, केस स्टडी

प्रस्तावना

भारतीय लोकतंत्र की संरचना में सामाजिक विविधता का विशेष महत्व है। भारत जैसे बहुजातीय और बहुसांस्कृतिक समाज में राजनीति और सामाजिक संरचना के बीच गहरा संबंध पाया जाता है। विशेष रूप से जाति,

वर्ग, भाषा और क्षेत्रीय पहचान जैसे सामाजिक कारक राजनीतिक प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक समूहों की राजनीतिक भागीदारी भी बढ़ी है। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत अन्य

पिछड़ा वर्ग (OBC) एक महत्वपूर्ण सामाजिक-राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरकर सामने आया है।

भारत के कई राज्यों में ओबीसी समुदाय का राजनीतिक प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। विशेष रूप से उत्तर भारत और मध्य भारत के राज्यों में यह समुदाय चुनावी राजनीति, नेतृत्व निर्माण तथा सत्ता संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छत्तीसगढ़ भी उन राज्यों में से एक है जहाँ सामाजिक संरचना और जातीय समूहों की भूमिका क्षेत्रीय राजनीति को गहराई से प्रभावित करती है। राज्य में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की उल्लेखनीय जनसंख्या है, जो राजनीतिक प्रतिनिधित्व और चुनावी व्यवहार को प्रभावित करती है।

छत्तीसगढ़ में ओबीसी समुदाय सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण वर्ग माना जाता है। इस समुदाय के अंतर्गत कई जातीय समूह शामिल हैं, जैसे साहू, चंद्राकर, कुर्मी, यादव, तेली आदि। ये समुदाय ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में निवास करते हैं और स्थानीय सामाजिक संरचना में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। समय के साथ इन समुदायों में राजनीतिक जागरूकता और भागीदारी में वृद्धि हुई है, जिसके कारण राज्य की क्षेत्रीय राजनीति में उनका प्रभाव भी बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में ओबीसी समुदाय की भूमिका अलग-अलग रूपों में दिखाई देती है। विशेष रूप से क्वतह कपेजतपबज राज्य का एक प्रमुख औद्योगिक तथा राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है। इस जिले में सामाजिक संरचना काफी विविधतापूर्ण है और विभिन्न जातीय समूहों की उपस्थिति स्थानीय राजनीति को प्रभावित करती है। दुर्ग जिले का Durg Rural Assembly Constituency क्षेत्र इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण अध्ययन क्षेत्र के रूप में सामने आता है। यहाँ ग्रामीण सामाजिक संरचना में ओबीसी समुदाय की उपस्थिति अपेक्षाकृत अधिक है, जिसके कारण चुनावी राजनीति में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में ओबीसी समुदाय के कई उप-समूह सक्रिय रूप से राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेते हैं। इनमें विशेष रूप से साहू और चंद्राकर समुदाय को प्रभावशाली माना जाता है। ये समुदाय न केवल मतदाता के रूप में बल्कि स्थानीय नेतृत्व और सामाजिक संगठनों के माध्यम से भी राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा उम्मीदवारों के चयन और चुनावी रणनीतियों के निर्माण में इन समुदायों की सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखा जाता है।

भारत में मंडल आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बाद ओबीसी समुदाय की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस प्रक्रिया ने सामाजिक न्याय और राजनीतिक समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। छत्तीसगढ़ में भी ओबीसी समुदाय की राजनीतिक चेतना और संगठित शक्ति में वृद्धि देखने को मिलती है। स्थानीय स्तर पर पंचायत, नगर निकाय और विधानसभा चुनावों में इस समुदाय की सक्रिय भागीदारी क्षेत्रीय

राजनीति को प्रभावित करती है।

क्षेत्रीय राजनीति के अध्ययन में यह समझना आवश्यक है कि किस प्रकार सामाजिक समूह चुनावी व्यवहार, नेतृत्व निर्माण और नीतिगत निर्णयों को प्रभावित करते हैं। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में ओबीसी समुदाय की सामाजिक एकता, आर्थिक गतिविधियाँ और राजनीतिक जागरूकता स्थानीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह समुदाय कई बार चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, जिसके कारण राजनीतिक दल इस समुदाय को अपने समर्थन आधार के रूप में विकसित करने का प्रयास करते हैं।

इस अध्ययन का उद्देश्य दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में ओबीसी समुदाय के प्रभाव का विश्लेषण करना है। इसके अंतर्गत यह समझने का प्रयास किया जाएगा कि ओबीसी समुदाय का मतदान व्यवहार, सामाजिक संगठन और राजनीतिक भागीदारी किस प्रकार क्षेत्रीय राजनीति को प्रभावित करते हैं। साथ ही यह भी अध्ययन किया जाएगा कि राजनीतिक दल चुनावों के दौरान किस प्रकार सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीतियाँ तैयार करते हैं।

इसके अतिरिक्त यह अध्ययन इस बात का भी विश्लेषण करता है कि ओबीसी समुदाय की सामाजिक और आर्थिक स्थिति किस प्रकार उनके राजनीतिक प्रभाव को प्रभावित करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक नेटवर्क, जातीय पहचान और सामुदायिक एकजुटता कई बार चुनावी परिणामों को प्रभावित करती है। इसलिए इस समुदाय की भूमिका का अध्ययन क्षेत्रीय राजनीति को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय राजनीति को समझने के लिए सामाजिक संरचना और जातीय समूहों की भूमिका का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। विशेष रूप से ओबीसी समुदाय की राजनीतिक भागीदारी और प्रभाव को समझे बिना राज्य की चुनावी राजनीति का समुचित विश्लेषण संभव नहीं है। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र का अध्ययन इस दिशा में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और यह स्पष्ट करता है कि स्थानीय स्तर पर सामाजिक समूह किस प्रकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राजनीतिक संरचना को प्रभावित करते हैं।

इस प्रकार प्रस्तुत अध्ययन छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय राजनीति में ओबीसी समुदाय की भूमिका को समझने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो भविष्य में इस विषय पर व्यापक और गहन शोध के लिए आधार प्रदान कर सकता है।

साहित्य समीक्षा

(1) Firoj Kumar Sonwani (2024) ने छत्तीसगढ़ में जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक असमानता पर अध्ययन किया है। इस अध्ययन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच शिक्षा, रोजगार और आय में अंतर का विश्लेषण किया गया है। शोध में यह पाया गया कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के कारण विभिन्न जातीय समूहों की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व में भी अंतर दिखाई देता है।

(2)घनश्याम शाह (2004) ने अपने अध्ययन मे भारतीय राजनीति और समाज में सामाजिक समूहों की भूमिका पर Ghanshyam Shah का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। शाह के अनुसार भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था ने हाशिए पर रहे सामाजिक समूहों को राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने अपने अध्ययन में बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) ने स्थानीय और क्षेत्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ सामाजिक संरचना और जातीय पहचान का राजनीतिक व्यवहार पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

अध्ययन का उद्देश्य:-

इस शोध का मुख्य उद्देश्य दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में ओबीसी समुदाय की राजनीतिक भूमिका का विश्लेषण करना है।

मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. दुर्ग ग्रामीण विधानसभा की सामाजिक संरचना का अध्ययन करना।
2. ओबीसी समुदाय की जनसंख्या और राजनीतिक प्रभाव का विश्लेषण करना।
3. साहू और चंद्राकर समुदाय की चुनावी राजनीति में भूमिका का अध्ययन करना।
4. क्षेत्रीय राजनीति में जातीय पहचान के प्रभाव को समझना।

अध्ययन क्षेत्र (दुर्ग जिला और दुर्ग ग्रामीण विधानसभा)

दुर्ग जिला छत्तीसगढ़ के प्रमुख जिलों में से एक है और यह औद्योगिक तथा शहरी विकास के लिए प्रसिद्ध है।

2011 की जनगणना के अनुसार दुर्ग जिले की कुल जनसंख्या 17,21,948 है।

जिले की प्रमुख जनसांख्यिकीय विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

कुल जनसंख्या: 17,21,948

पुरुष: 8,75,813

महिला: 8,46,135

साक्षर जनसंख्या: 12,47,890

ग्राम पंचायत: 297

गांव: 388

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है और यह क्षेत्र सामाजिक तथा राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

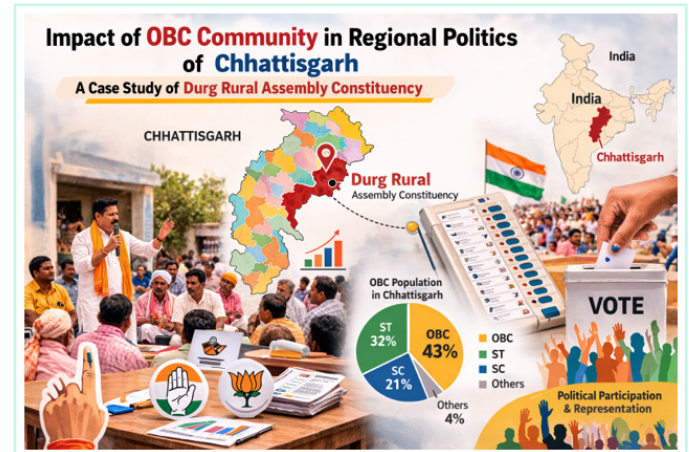
2011 के अनुमान के अनुसार इस विधानसभा क्षेत्र की कुल जनसंख्या लगभग 2,61,429 है, जिसमें लगभग 55% ग्रामीण और 45% शहरी जनसंख्या है।

छत्तीसगढ़ में ओबीसी समुदाय की जनसंख्या

छत्तीसगढ़ में ओबीसी वर्ग की जनसंख्या राज्य की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती है।

राज्य सरकार द्वारा गठित Quantifiable Data Commission (2022) की रिपोर्ट के अनुसार:

ओबीसी वर्ग की कुल जनसंख्या लगभग 1 करोड़ 25 लाख है। साहू समुदाय की जनसंख्या लगभग 30,05,661 है, जो राज्य का सबसे बड़ा ओबीसी समुदाय है। इसके अतिरिक्त यादव, निषाद, कुर्मी आदि समुदाय भी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। राजनीतिक विश्लेषणों के अनुसार साहू और कुर्मी समुदाय मिलकर राज्य की लगभग 36% आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे उनकी राजनीतिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इसके साथ-साथ छत्तीसगढ़ में ओबीसी समुदाय 43% से अधिक है।



दुर्ग ग्रामीण विधानसभा में ओबीसी राजनीति

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में ओबीसी समुदाय का प्रभाव विशेष रूप से देखा जाता है। इस क्षेत्र में साहू और चंद्राकर समुदाय की महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

राजनीतिक विश्लेषणों के अनुसार इस क्षेत्र में साहू समुदाय का प्रभाव इतना अधिक है कि कई बार चुनावी उम्मीदवारों का चयन भी इसी सामाजिक समीकरण को ध्यान में रखकर किया जाता है।

2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेता ताम्रध्वज साहू इस सीट से विजयी हुए थे और वे राज्य के प्रमुख ओबीसी नेताओं में गिने जाते हैं।

2023 के विधानसभा चुनाव में ललित चंद्राकर इस सीट से विधायक चुने गए।

यह तथ्य दर्शाता है कि दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में साहू और चंद्राकर समुदाय दोनों का राजनीतिक प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चुनावी परिणाम और मतदान प्रतिशत

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत भी काफी अधिक देखा गया है।

2023 के विधानसभा चुनाव में:

कुल मतदाता: लगभग 2,20,704

कुल मतदान: लगभग 1,83,865

मतदान प्रतिशत: लगभग 84.61%

(Election Commission of India)

उच्च मतदान प्रतिशत इस क्षेत्र की राजनीतिक सक्रियता को दर्शाता है।

अध्ययन क्षेत्र का सामाजिक-जनसांख्यिकीय प्रोफाइल (दुर्ग जिला):-----

सूचकांक	आंकड़े
कुल जनसंख्या	17,21,948
पुरुष	8,75,813
महिला	8,46,135
साक्षरता दर	79.69%
शहरी जनसंख्या	
लगभग	64%
ग्रामीण जनसंख्या	
लगभग	36%

(स्रोत-<https://durg.gov.in>)

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा का चुनावी डेटा:

वर्ष	पार्टी	विजेता उम्मीदवार
2013.	BJP	रामशिला साहू
2018.	INC	ताम्रध्वज साहू
2023.	BJP	ललित चंद्राकर

(स्रोत-<https://eci.gov.in>)

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा का अनुमानित सामाजिक संरचना चार्ट:-----

सामाजिक वर्ग.	प्रतिशत
प्रतिशत	
(1)ओबीसी.	43-50%
(2)अनुसूचित जाति.	12-15%
(3)अनुसूचित जनजाति.	6-8%
(4)सामान्य वर्ग.	25-30%

यह आँकड़े दर्शाते हैं कि दुर्ग ग्रामीण विधानसभा में ओबीसी समुदाय सबसे बड़ा सामाजिक समूह है, जिससे चुनावी परिणामों पर उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

प्रमुख ओबीसी समुदाय:-

समुदाय	सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव
(1)साहू.	अत्यधिक
(2)चंद्राकर (कुर्मी).	अधिक
(3)यादव.	मध्यम
(4)निषाद.	मध्यम

साहू और चंद्राकर समुदाय दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कई बार राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन करते समय इन समुदायों को प्राथमिकता देते हैं।

मतदान प्रतिशत विश्लेषण :-----

वर्ष	मतदान प्रतिशत
2013.	79%
2018.	82%
2023.	84.61

स्रोत: (Election Commission of India)

(<https://eci.gov.in>)

लगातार बढ़ता मतदान प्रतिशत यह दर्शाता है कि दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में राजनीतिक जागरूकता बढ़ रही है और सामाजिक समूह चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं।

राजनीतिक प्रभाव का विश्लेषण

छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय राजनीति में ओबीसी समुदाय का प्रभाव निम्न कारणों से महत्वपूर्ण है:

1. जनसंख्या का बड़ा आधार

ओबीसी समुदाय राज्य की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा है।

2. राजनीतिक नेतृत्व

साहू और कुर्मी समुदाय से कई प्रमुख नेता उभरे हैं।

3. चुनावी रणनीति

राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन में जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हैं।

4. सामाजिक संगठन

सामुदायिक संगठन चुनाव के समय मतदाताओं को प्रभावित करते हैं।

सुझाव

- राजनीति में सभी समुदायों का संतुलित प्रतिनिधित्व होना चाहिए।
- जाति आधारित राजनीति को कम करने के लिए विकास आधारित राजनीति को बढ़ावा देना चाहिए।
- स्थानीय नेतृत्व को मजबूत बनाना चाहिए।
- महिला प्रतिनिधि को बढ़ावा देना चाहिए।

निष्कर्ष

इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय राजनीति में ओबीसी समुदाय एक महत्वपूर्ण राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरा है। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जहाँ साहू और चंद्राकर समुदाय चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि ओबीसी समुदाय की राजनीतिक सक्रियता छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय राजनीति को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में ओबीसी समुदाय का सामाजिक आधार मजबूत है।

साहू और चंद्राकर समुदाय चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

राजनीतिक दल चुनावी रणनीति बनाते समय जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हैं।

Oxford University Press.

उच्च मतदान प्रतिशत क्षेत्र की राजनीतिक सक्रियता को दर्शाता है।

REFERENCES

1. Jaffrelot, C. (2003). *India's silent revolution: The rise of the lower castes in North India*. New York: Columbia University Press.
2. Shah, G. (2004). *Social movements in India: A review of literature*. New Delhi: Sage Publications.
3. Yadav, Y., & Palshikar, S. (2009). *Ten theses on state politics in India*. New Delhi: Oxford University Press.
4. Jaffrelot, C., & Kumar, S. (2018). *Rise of the plebeians? The changing face of the Indian legislative assemblies*. New Delhi: Routledge India.
5. Chandra, K. (2004). *Why ethnic parties succeed: Patronage and ethnic head counts in India*. Cambridge: Cambridge University Press.
6. Jodhka, S. S. (2012). *Caste*. New Delhi: Oxford University Press.
7. Shah, G., Mander, H., Thorat, S., Deshpande, S., & Baviskar, A. (2006). *Untouchability in rural India*. New Delhi: Sage Publications.
8. Pai, S. (2011). *Developmental state and the Dalit question in Madhya Pradesh: Congress response*. New Delhi: Routledge India.
9. Kumar, S. (2016). *Electoral politics in India: Resurgence of the Bharatiya Janata Party*. New Delhi: Routledge.
10. Government of India. (2011). *Census of India 2011: Primary census abstract*. New Delhi: Office of the Registrar General & Census Commissioner.
11. Government of Chhattisgarh. (2019). *Quantifiable Data Commission report on Other Backward Classes (OBCs)*. Raipur: General Administration Department.
12. Election Commission of India. (2023). *Statistical report on general election to the legislative assembly of Chhattisgarh*. New Delhi: Election Commission of India.
13. Palshikar, S., Suri, K. C., & Yadav, Y. (2014). *Party competition in Indian states: Electoral politics in post-Congress polity*. New Delhi: Oxford University Press.
14. Jaffrelot, C. (2015). *The BJP in power: Indian democracy and religious nationalism*. New Delhi: Oxford University Press.
15. Manor, J. (2007). *Politics and state politics in India*. New Delhi: Oxford University Press.
16. Government of India. (2011). *Census of India 2011: District Census Handbook – Durg*. New Delhi: Office of the Registrar General of India.
17. Election Commission of India. (2023). *Statistical Report on General Election to the Legislative Assembly of Chhattisgarh 2023*. New Delhi.
18. Government of Chhattisgarh. (2022). *Quantifiable Data Commission Report on Other Backward Classes*. Raipur: Government of Chhattisgarh.
19. District Administration Durg. (2024). *District Statistical Profile: Durg*.
20. Verma, R. (2018). *Caste and Politics in India*. New Delhi: